ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252551 मो.9960562305 ईमेल-bsmirgae@gmail.com

अंबेडकर-गांधी विचारों में विषमता दूर करने की शक्ति-प्रो. खांदेवाले

हिंदी विवि में "डॉ. अंबेडकर गांधी : वैचारिक विमर्श" विषय पर विशेष व्याख्यान

वर्धा दि. 23 मार्च 2011: डॉ. अंबेडकर एवं गांधी के चिंतनों की समकालिन प्रसांगिकता पर विचार प्रस्तुत करते हुए सुप्रसिध्द अर्थशास्त्री प्रो. श्रीनिवास खांदेवाले ने कहा कि दोनों चिंतकों के विचारों में भारत एवं विश्वभर की समाज व्यवस्था में व्याप्त विषमताओं को दूर करने की प्रबल शक्ति है। समकालीन परिदृश्य में उनके विचारों पर गंभीर रूप से अध्ययन, अध्यापन एवं शोध कार्यों की जरूरत है। वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के हबीब तनवीर सभागृह में विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित डॉ. अंबेडकर अध्ययन केंद्र द्वारा "डॉ. अंबेडकर-गांधी : वैचारिक विमर्श" विषय पर आयोजित व्याख्यान में बोल रहे थे! कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्र के कार्यकारी निदेशक प्रो. एम. एल. कासारे ने की। इस अवसर पर हैदराबाद के विद्वान डॉ. एस. एन. बुसी वक्ता के रूप में मंचस्थ थे।

प्रो. खांदेवाले ने गांधी-अंबेडकर विचारधारा की व्यापकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने अहिंसात्मकता द्वारा विश्वव्यापी विषमता को दूर करने के लिए वैचारिकता प्रदान की तो दूसरी ओर अंबेडकर ने संविधानिकता द्वारा आर्थिक, राजनैतिक, सामाजिक एवं धार्मिक परिप्रेक्ष्य में विषमताएँ दूर करने का मार्ग प्रशस्त किया।

प्रस्तुत विषय पर दूसरे सत्र में हैदराबाद के विद्वान डॉ. बुसी ने डॉ. अंबेडकर एवं गांधी के चिंतनों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का तुलनात्मक पाठ प्रस्तुत करते हुए दोनों विचारकों की वैचारिक प्रासंगिकता एवं महत्वता को प्रस्तुत किया। हिंदी साहित्य के क्रान्तिकारी कवि एवं राईटर इन रेसीडेंस आलोक धन्वा ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने न सिर्फ दलितवाद की बात की बल्कि एक समग्र समाज की कल्पना की जिससें समाजवादी प्रक्रिया शुरू हो सके। उन्होंने कहा कि अंबेडकर किसी भी तरह के शोषण एवं दमन पर चोट करने वाले एक निर्भय योद्धा एवं आधुनिक भारत के एक महान निर्माताओं में से एक थे। विश्वविद्यालय के साहित्य विद्यापीठ के प्रोफेसर प्रो. के. के. सिंह ने अपने विचार रखते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर के वैचारिक एवं विद्वत्वता भारतीय समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। प्रो. सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि डॉ. अंबेडकर लिखित **"एनहिलेएश्न आफ कास्ट"** पुस्तक की प्रासंगिकता एवं आवश्यकता आज के समय में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अध्यक्षीय वक्तव्य में केंद्र के कार्यकारी निदेशक प्रो. एम. एल. कासारे ने कहा कि डॉ. अंबेडकर एवं गांधी के विचारमूल्य दिन प्रतिदिन बढते ही जा रहे हैं, जो समाज से विषमताओं को दूर करने वाले हैं। व्याख्यान के दोनों सत्रों का संचालन केंद्र के रिसर्च एसोसिएट ज्योतिष पायेंग ने किया तथा आभार सहायक व्याख्याता रवि शंकर सिंह और सहायक व्याख्याता डॉ. सुरजीत कुमार सिंह ने व्यक्त किया। व्याख्यान में विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के रीडर डॉ. कृपाशंकर चौबे, सहायक व्याख्याता राकेश मिश्रा, संदीप सपकाले, शैलेष कदम मरजी, शंभु जोशी, अमरेन्द्र शर्मा,

अमित राय, उमाकान्त चौबे, बौद्ध अध्ययन केंद्र के रिसर्च फेलो लक्ष्मण प्रसाद, फवाद अहमद, अमन ताकसांडे एवं विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, शोधार्थी व कर्मचारी उपस्थित थे।

बी. एस. मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी

पोष्ट - मानस मंदिर, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
Post- Manas Mandir, Gandhi Hills, Wardha-442001 (Maharashtra), INDIA
Ph./Fax: (07152) 252651 ई-मेल/**E-mail: bsmirgae@gmail.com**, वेबसाईट/**Website:** www.hindivishwa.org